अर्थव्यवस्था

परिभाषा, वर्गीकरण एवं प्रकार

ज्योतिष कुमार
सहायक प्राध्यापक
दाउदनगर महाविद्यालय, दाउदनगर
मगध विश्वविद्यालय, (बोधगया)

Watch on YouTube
(CLICK HERE)

परिचय

- अर्थव्यवस्था अर्थशास्त्र का एक व्यवहारिक पक्ष है।
- अर्थव्यवस्था, किसी देश या क्षेत्र विशेष में होने वाले आर्थिक क्रियाओं की प्रकृति एवं स्तर को दर्शाता है।

ज्योतिष कुमार

अर्थव्यवस्था का वर्गीकरण

- विभिन्न प्रकार के अर्थव्यवस्था को मुख्य रूप से तीन आधार पर वर्गीकरण किया जाता है।
- नियंत्रण के आधार पर वर्गीकरण,
- विकास के आधार पर वर्गीकरण, एवं
- वैश्विक सम्बन्धों के आधार पर वर्गीकरण।

ज्योतिष कुमार

अर्थव्यवस्था के प्रकार

नियंत्रण के आधार पर वर्गीकरण	विकास के आधार पर वर्गीकरण	वैश्विक सम्बन्धों के आधार पर वर्गीकरण
उदारवादी या पूंजीवादी अर्थव्यवस्था समाजवादी अर्थव्यवस्था मिश्रित अर्थव्यवस्था	अविकसित अर्थव्यवस्था अल्पविकासित अर्थव्यवस्था या विकासशील अर्थव्यवस्था विकसित अर्थव्यवस्था	बंद अर्थव्यवस्था खुली अर्थव्यवस्था

ज्योतिष कुमार

उदारवादी या पूंजीवादी अर्थव्यवस्था

- उदारवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों, उत्पादन के वितरण और धन के विनिमय पर मुख्यतः निजी क्षेत्रों का नियंत्रण होता है।
- पूँजी एवं पूंजीपतियों का बाज़ार पर नियंत्रण होने के कारण ही इसे पूंजीवादी अर्थव्यवस्था भी कहा जाता है। इसमें आर्थिक गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ कमाना होता है।
- यह ऐडम स्मिथ द्वारा दिए गए अहस्तक्षेप के सिद्धांत पर कार्य करती है जिसमें बाजार पर सरकार का नियंत्रण न्यूनतम होता है।
- अमेरिका, ब्रिटेन, फ़्रांस आदि विकसित देशों की अर्थव्यवस्था उदारवादी अर्थव्यवस्था है।

ज्योतिष कुमार

समाजवादी अर्थव्यवस्था

- समाजवादी अर्थव्यवस्था में समस्त आर्थिक गतिविधियों का संचालन एवं नियंत्रण सरकार द्वारा किया जाता है।
- इस अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों एवं उत्पाद दोनों पर सार्वजनिक स्वामित्व होता है ना कि निजी।
- इसमें सरकार का मुख्य उद्देश्य लोगों का कल्याण होता है ना की लाभ कमाना।

ज्योतिष कुमार

मिश्रित अर्थव्यवस्था

- मिश्रित अर्थव्यवस्था में पूंजीवादी और समाजवादी दोनों अर्थव्यवस्थाओं का मिश्रण होता है।
- इस तरह के अर्थव्यवस्था में पूंजीपति एवं सरकार दोनों देश के आर्थिक विकास में परस्पर सहयोगी भूमिका निभाते हैं।
- भारत एक मिश्रित अर्थव्यवस्था है।
- मिश्रित अर्थव्यवस्था ब्रिटिश अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स के विचारों से प्रेरित है।

ज्योतिष कुमार

अविकसित अर्थव्यवस्था

- वैसे स्थानों को अविकसित कहा जाता है जहाँ तीनों प्रकार के साधनों प्राकृतिक, भौतिक और मानवीय में से कोई भी एक नगण्य होता है।
- उदाहरण :जैसे ध्रुवीय क्षेत्र, सहारा रेगिस्तान।

ज्योतिष कुमार

अल्पविकसित तथा विकासशील अर्थव्यवस्था

- इस तरह के अर्थव्यवस्था में एक ओर अप्रयुक्त या अर्द्ध-प्रयुक्त मानव संसाधन होती है और साथ ही प्राकृतिक संसाधनों की न्यूनतम उपलब्धता पायी जाती है।
- विकासशील अर्थव्यवस्था में मौद्रिक, प्रौद्योगिकी एवं गैर-आर्थिक सीमाओं के कारण विकसित देशों की तुलना में आय, उपभोग, बचत तथा पूँजी निर्माण का स्तर अपेक्षाकृत निम्न होता है।

ज्योतिष कुमार

विकसित अर्थव्यवस्था

- वैसी अर्थव्यवस्था जहाँ उत्पादन के तीनों संसाधन प्राकृतिक, मानवीय तथा भौतिक संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होता है एवं उनका अनुकूलतम एवं समुचित उपयोग हो रहा होता है।

ज्योतिष कुमार

खुली अर्थव्यवस्था

- वैसी अर्थव्यवस्था जिसका दुनिया के अन्य अर्थव्यवस्थाओं के साथ उचित आर्थिक सम्बन्ध व्याप्त होता है।
- ऐसी अर्थव्यवस्था में उत्पादन, उपभोग तथा पूँजी निर्माण बाह्य लेन देन से प्रभावित होता है।
- खुली अर्थव्यवस्था में आयात एवं निर्यात पर न्यूनतम प्रतिबन्ध होता है।
- आधुनिक विश्व की लगभग सभी अर्थव्यवस्था, खुली अर्थव्यवस्था है।

ज्योतिष कुमार

बंद अर्थव्यवस्था

- वह अर्थव्यवस्था जो बाह्य अर्थव्यवस्थाओं से किसी भी प्रकार से आर्थिक सम्बन्ध नहीं रखती है तथा आयात-निर्यात की गतिविधियाँ शून्य होती हैं।
- उत्तर कोरिया बंद अर्थव्यवस्था का एक उदाहरण है।

ज्योतिष कुमार

धन्यवाद